

टीवीके और कांग्रेस में मतभेद की खबरें खारिज, सीएम विजय ने राहुल गांधी को माना 2029 का पीएम उम्मीदवार

तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके (तमिलनाडु वेती कड़गम) और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री विजय ने इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कथबर्ट ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं। हाल ही में 'इंडिया टुडे' के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। टीवीके आधिकारिक रूप से राहुल गांधी को ही

2029 के प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में देखती है।

इसके बाद टीवीके ने शीर्ष पद के लिए विजय का नाम आगे बढ़ाया, जिससे कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ने की धमकी दी, जब तक कि वह इंडिया गठबंधन के इस चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ हलकों में विजय के प्रधानमंत्री बनने की जो बातें हो रही थीं, वे टीवीके कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण थीं और वे नेतृत्व के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाती थीं। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के तौर पर चुना है। वे इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं।'

विजय और राहुल गांधी के बीच अच्छे संबंध



टीवीके सरकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है।

इस बीच, कथबर्ट ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में स्वतंत्र रूप से विस्तार कर रही है और टीवीके के अधीन काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक और स्वायत्त पार्टी है।

उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में 'शुद्धिकरण' विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में दर्ज एफआईआर को भाजपा की राजनीतिक घबराहट का संकेत बताया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा राहुल गांधी की व्यापक जन-स्वीकार्यता से डरी हुई है और वे 2029 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

कथबर्ट ने यह भी कहा कि तमिलनाडु विधानसभा में उनके बैठने की व्यवस्था में बदलाव सामान्य प्रक्रिया थी और यह कांग्रेस फ्लोर लीडर के तौर पर उनकी नई भूमिका से जुड़ा था, न कि किसी राजनीतिक कदम से। कथबर्ट को 13 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में सीएलपी (कांग्रेस विधायक दल) का नेता नियुक्त किया गया था, और कार्यभार संभालने के बाद, उन्हें 31 अगस्त को पहली पंक्ति में सीट दी गई, जो आमतौर पर विपक्षी दलों के नेताओं को आवंटित की जाती है।

राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

चंडीगढ़। उत्तराखंड में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर कांग्रेस ने चंडीगढ़ में हरियाणा कांग्रेस कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद कर्मवीर बौद्ध, विधायक गीता भुक्कल और कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने आईएनएस से बातचीत में भाजपा सरकार पर निशाना साधा। हरियाणा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, 'हम ऐसी चीजों से डरते नहीं हैं। न तो राहुल गांधी और न ही हम डरते हैं। राहुल गांधी ने मांग की थी कि हल्द्वानी में हुई घटना पर एफआईआर दर्ज की जाए, जहां हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने एक जनसभा की थी और कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुद्धिकरण की रस्म निभाई थी। यह एक जायज मांग थी, क्योंकि संविधान का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। लेकिन इसके बजाय, उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी।' कांग्रेस सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध ने आईएनएस से बातचीत में कहा, 'देश संविधान से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं। आज जब कोई वरिष्ठ नेता गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, आदिवासियों और महिलाओं की आवाज उठाने के लिए आगे आता है

और सदियों से उनके साथ हो रहे अत्याचार, भेदभाव और छुआछूत को उजागर करता है, तो आप रामलीला मैदान में हमारी पार्टी के सम्मानित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद हल्द्वानी में एक कार्यक्रम के दो दिन बाद 'शुद्धिकरण' का अनुष्ठान करते



हैं। जब कोई वरिष्ठ नेता दलितों के अपमान का मुद्दा उठाता है, तो आप एफआईआर दर्ज करके उन्हें रोकना चाहते हैं। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।'

पंजाब कांग्रेस एससी विभाग के इंचार्ज सुधीर चौधरी ने कहा, 'ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी और राजिंदर पाल गौतम के नेतृत्व वाले ऑल इंडिया एससी विभाग के निर्देशानुसार, हम पंजाब के राज्यपाल को अपना संदेश सौंपेंगे। हम विरोध प्रदर्शन करेंगे और यह तब तक जारी रहेगा जब तक दोषियों को सजा नहीं मिल जाती। हम दलितों के प्रति

नफरत देख रहे हैं। हमारे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से जुड़ी 'शुद्धिकरण' की घटना हो या दलित अधिकारों के लिए आवाज उठाने पर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी इन दोनों मामलों में रोजाना विरोध प्रदर्शन करेगी।'

कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने कहा, 'भारत अभी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है। जिस तरह से आवाज उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, वह चिंताजनक है। अगर छात्र पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बैठते हैं, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है। अगर बच्चे आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है। हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड के हल्द्वानी में सभा को संबोधित करने के बाद उस स्थल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुद्धिकरण किया। हमारे नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि ऐसी हरकत करने वालों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। यह हैरान करने वाली बात है कि जब हमारे नेता आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।'

खड़गे की रैली के बाद शुद्धिकरण पर बवाल यह भाजपा की बौखलाहट-सुरजेवाला

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' विवाद को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर उत्तराखंड की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे भाजपा की 'बौखलाहट' और 'दलित विरोधी मानसिकता' का प्रमाण बताया। राहुल गांधी ने 'खिलाफ दर्ज एफआईआर पर सुरजेवाला ने कहा कि राहुल गांधी ने केवल यह सवाल उठाया था कि क्या देश से छुआछूत की प्रथा हमेशा के लिए खत्म नहीं होनी चाहिए। दलितों, गरीबों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त करने की जरूरत है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि यदि देश के विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष के साथ ही कथित तौर पर जातिगत भेदभाव किया जा सकता है, तो आम दलित और गरीब व्यक्ति को रोजमर्रा की जिंदगी में किस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहुल गांधी ने इसी कथित भेदभाव और असमानता के खिलाफ आवाज



उठाई है। इसी मुद्दे को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना यह दिखाता है कि सामाजिक पूर्वाग्रह को लेकर राजनीतिक विवाद कितना गहरा हो गया है। सुरजेवाला ने भाजपा पर दलितों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ खड़गे के कार्यक्रम के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण का विवाद सामने आया, वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेताओं के अन्य बयानों और मुलाकातों को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। सुरजेवाला ने सवाल किया कि क्या देश में दलितों, पिछड़ों, गरीबों और वंचितों के लिए समान अवसर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता इन वर्गों के अधिकारों की बात करता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करना समस्या का समाधान नहीं है। राहुल गांधी ऐसी कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि देश में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों के लिए राहुल गांधी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता और आम नागरिक खड़े हैं। जब भी किसी दलित, गरीब, पिछड़े या वंचित व्यक्ति के अधिकारों पर हमला होगा, कांग्रेस उसके खिलाफ आवाज उठाएगी।

विशेष



अपना मुहासबा (आत्म परीक्षण) करें

इस्लाम एक मुकम्मल निज़ामे हयात है। अल्लाह तआला ने हमारी रहनुमाई, हिदायत, नसीहत, क़ल्बे शिफ़ा व खुशख़बरी देने के लिये कुरआन पाक नाज़िल फरमाई। सूरह अनकबूत की आयत 45 में फरमाया- जो किताब आप पर वही की गई है उसे पढ़ा कीजिये, साथ ही यह भी फरमाया नमाज़ की पाबन्दी रखिये, बेशक नियाज़ अपनी बाज़ू एतबार से बेहयाई और नाशाइस्ता कामों से रोक-टोक करती है और अल्लाह की याद बहुत बड़ी चीज़ है और अल्लाह तआला तुम्हारे सब कामों को जानता है।

मुसलमान नाम है फरमाबरदारी, इताअत का, सच करने का, परहेज़गारी का, नेक काम करने का, खुश अखलाक रखने का, बातचीत में नरम लहजा रखने, लगावों की अहमियत समझना, नियत साफ़, खुलूस हो, कोई कपट दुर्गुण न हो और एक दूसरे से नफरत न हो, बल्कि मदद का जज़्बा हो, सलाम में पहल करना, ईमान की सलामती, नज़र और ज़बान की हिफाज़त, बड़ों की इज़्ज़त, छोटों पर शफ़क़त करना, मफ़रूज़ की क़र्ज़ अदा करने के लिये वक्त देना, सिला रहमी करना। पड़ोसी का खयाल रखना, रास्ते के आदाबों पर अमल करना, गाली गलौच करने से बचना, बदतमीज़ी नहीं करना। माँ बाप की अच्छी तरह खदिमत गुज़ारी करना, अहले कराबत की भी और बे बाप के बच्चों की भी, ग़रीब मोहताजों की भी और आम लोगों से बात भी अच्छी तरह से खुश खुल्की से करना और पाबन्दी रखना नमाज़ की और अदा करते रहने ज़कात। अमानत में खयानत न करना। रिश्तों को जोड़े रखना। हलाल रिज़क कमाना। अपनी शर्मगाहों की हिफाज़त करना। सूद लेना और नशा करना भी हराम है। गुनाह और जुल्म दो अलफ़ाज़ हैं, इनमें दो हक़ ज़ाया होते हैं। एक हुक्कू अल्लाह भी कि हुक्मे इलाही की तामील न की और हुक्कूल इबाद भी कि दूसरे को तकलीफ़ पहुँचाना।

ये दुनिया दारुल अमल है। दुनिया में अल्लाह और अल्लाह के रसूल स.अ.व. की इताअत करते हुए उनके हुक्मों और तालीमात के मुताबिक अमल कर ज़िन्दगी गुज़ारनी है। तुम कामयाब हो अगर तुम मोमिन हो। अगर हमने अपनी ज़िन्दगी इल्म हासिल करने, ज़रियाए मआश के लिये तिजारत करने और अपने बच्चों को तिजारत के लिये तैयार करने के साथ ही उम्मत में भाई चारा एक दूसरे की मदद कर उन्हें आगे बढ़ाने में हमेशा एक दूसरे का खयाल रखना। अल्लाह के रसूल की इन सुन्नतों पर जब हम अमल करना शुरू कर देंगे उसी दिन से हमारी कामयाबी का दौर शुरू हो जायेगा इंशा अल्लाह। इस पर गौर फ़िक्र कीजिये।

सूरह फुरकान आयत 30 :- और उस दिन जनाब रिसालत मआब रसूल स.अ.व. कहेंगे कि ऐ मेरे परवरदिगार मेरी (इस) कौम ने इस कुरआन को जो कि वाज़िबुल अमल था बिल्कुल नज़र अन्दाज़ (छोड़ रखा) कर रखा था। कुरआन को छोड़ देने की कई सूरतें हैं :- इसका न मानना और उस पर ईमान न लाना भी छोड़ देना है। इस पर गौर न करना और सोच समझकर न पढ़ना भी छोड़ देना और इसके अदब व असर को बचा न लाना और मुहिमात से इज्तिनाब न करना भी छोड़ देना है।

सूरह आले इमरान-आयत-110 - तुम लोग उम्मत जमाअत हो, के वो जमाअत लोगों के लिये ज़ाहिर की गई। तुम लोग नेक कामों को बताते हो और बुरी बातों से रोकते हो और अल्लाह पर ईमान लाते हो। इस आयत पर गौर करने पर हमें मालूम होता है कि अल्लाह रब्बुल इज्जत ने हमें बुरी बातों से रोकने वाली उम्मत बनाया लेकिन हम तो खुद ही बुरी बातों में मशगूल हो गये। कुरआन के इस अहकाम पर अपना मुहासबा करना चाहिये। सूरह फुरकान आयत-47-वो ऐसा ज़ात जिसने तुम्हारे लिये रात को पर्दे की चीज़ और नींद को राहत की चीज़ बनाया और दिन को ज़िन्दा होने का वक़्त बनाया।

सूरत नबा की आयत 10-11 में फरमाया- हम ही ने तुम्हारे लिये रात को सोने को राहत की चीज़ बनाया और हम ही ने रात को पर्दे की चीज़ बनाया और हम ही ने दिन को मआश (रोज़ी) कमाने का वक़्त बनाया। हमारी कौम का हाल यह है कि रातों को होटलों पर बैठक कर वक़्त गुज़ारते हैं, सुबह 11.00 बजे ये बिस्तर छोड़ते हैं। क्या ऐसे बच्चे दिमागी और जिस्मानी तौर पर तन्दुरुस्त हो सकते हैं? क्या ऐसा करके हम अल्लाह के हुक्म की नाफरमानी नहीं कर रहे हैं। अल्लाह के हुक्म की नाफरमानी करके क्या हम ज़ालिम नहीं बन रहे हैं, ज़ालिम की दुआ अल्लाह रब्बुल इज्जत नहीं सुनता है। इसीलिये हमारी परेशानी का आलम दिन बा दिन बढ़ता ही जा रहा है।

हमारा वक़्त अपने घर पर, अपने रोज़गार के मुकाम पर और अल्लाह के घर गुज़ारना चाहिये। हम इन्हें आबाद करेंगे तो अल्लाह हमें आबाद करेगा। वरना हालात हमारे सामने हैं। अल्लाह का अज़ाब कब नाज़िल हो जाये, अल्लाह हमारी खताओं को माफ़ करें। तौबा का मुकाम है। हज़रत उमर रज़ि का कौल है 'हासिबू क़बला अय्युहासिबू' यानी तुमने जो भी किया है उसका हिसाब तुम्हें ही देना होगा। अपना मुहासबा कीजिये कि हम कहाँ खड़े हैं?

अल्लाह हमें सिराते मुस्तकीम पर चलने और तमाम कुरआनी अहकामात पर अमल करने की तौफ़ीक़ दें और हिर्स, बुज़, कीना, शैतानी वसवसों और गुमराह होने से बचायें। सिराते मुस्तकीम पर चलायें और मोमिनाना ज़िन्दगी गुज़ारने की तौफ़ीक़ दें। जिस काम से अल्लाह रब्बुल इज्जत राज़ी हो वो काम हम से ले ले। आमीन। सुम्मा आमीन।

नसीरुद्दीन खान (9828117886)

भारतीय मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी

हिंदुस्तान का स्वतंत्रता संग्राम एक लंबा, कठिन और बलिदानों से भरा इतिहास है, जिसमें देश के सभी वर्गों, धर्मों और समुदायों ने कंधे से कंधा मिलाकर हिस्सा लिया। इस महान आंदोलन में मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय है। स्वतंत्रता के इस संग्राम में मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों, उलेमाओं, क्रांतिकारी युवाओं और आम नागरिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ हर मोर्चे पर डटकर मुकाबला किया। इस लेख में हम कुछ प्रख्यात और कुछ गुमनाम मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों की वस्तुनिष्ठ सेवाओं का ऐतिहासिक अवलोकन करेंगे, जिन्होंने स्वतंत्र भारत की नींव रखी।

प्रथम पंक्ति के मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी

मौलाना अबुल कलाम आजाद ज्ञान-विज्ञान और एकता के प्रतीक

मौलाना अबुल कलाम आजाद की गिनती भारत की स्वतंत्रता के प्रथम पंक्ति के नेताओं में होती है। वह केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक उच्च कोटि के विद्वान, पत्रकार, कुरान के व्याख्याकार (मुफ़सिर) और विचारक भी थे। उन्होंने 1912 में अपने अखबार 'अल-हिलाल' और बाद में 'अल-बलाग' के माध्यम से ब्रिटिश सरकार की शोषक नीतियों की कड़ी आलोचना की और मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ आम हिंदुस्तानियों में जागरूकता पैदा की।

मौलाना आजाद इंडियन नेशनल कांग्रेस के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष चुने गए और 1940 से 1946 तक के अत्यंत नाजुक दौर में (जब द्वितीय विश्व युद्ध चरम पर था और स्वतंत्रता आंदोलन निर्णायक चरण में था) कांग्रेस की अध्यक्षता की। उनके राजनीतिक चिंतन की सबसे बड़ी विशेषता हिंदू-मुस्लिम एकता पर उनका अटूट विश्वास था। उन्होंने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर भारत के विभाजन का कड़ा विरोध किया और हमेशा एक अखंड और धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) भारत का सपना देखा। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में, उनकी सेवाएं (जिनमें आईआईटी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना शामिल है) देश के आधुनिक शैक्षिक ढांचे की नींव हैं।

खान अब्दुल गफ्फार खान सीमांत गांधी और अहिंसा की प्रतिमूर्ति

खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें श्रद्धा से 'सीमांत गांधी' या 'बाचा खान' कहा जाता है, सूबा सरहद (वर्तमान खैबर पख़ूनख्वा) के एक महान पश्तून नेता थे। उन्होंने 1929 में 'खुदाई खिदमतगार' (ईश्वर के सेवक) नामक संगठन की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक सुधार और ब्रिटिश राज के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रतिरोध था। पश्तूनों जैसी पारंपरिक रूप से लड़ाकू कौम को अहिंसा के मार्ग पर संगठित करना उनका एक महान ऐतिहासिक कारनामा था। बाचा खान ने खिलाफत आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने अपने जीवन का एक लंबा हिस्सा (लगभग तीन दशक) ब्रिटिश जेलों में बिताया।

मौलाना आजाद की तरह, उन्होंने भी भारत के विभाजन का पुरजोर विरोध किया था और जब कांग्रेस ने विभाजन का फैसला स्वीकार कर लिया, तो उन्होंने यह ऐतिहासिक वाक्य कहा था कि 'आपने हमें भेड़ियों के आगे फेंक दिया है'।

मौलाना मोहम्मद अली जौहर स्वतंत्रता आंदोलन के निर्भीक नेता

मौलाना मोहम्मद अली जौहर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के एक अत्यंत निर्भीक, निडर और ओजस्वी नेता थे। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपनी कलम को हथियार बनाया और अपने प्रसिद्ध अंग्रेजी अखबार 'कॉमरेड' (Comrade) और उर्दू अखबार 'हमदर्द' के माध्यम से जबरदस्त पत्रकारीय और वैचारिक अभियान चलाया। वह ऐतिहासिक 'खिलाफत आंदोलन' के सबसे प्रमुख और प्रथम पंक्ति के नेता थे, जिसने हिंदुओं और मुसलमानों को ब्रिटिश राज के खिलाफ एक मजबूत और संयुक्त मंच पर इकट्ठा किया। असहयोग आंदोलन (न्दह-ण्ददर्ज्गूदह श्दनसह्) के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी के कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और जेल की यातनाएं सहیں। राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ शैक्षिक क्षेत्र में भी उनकी सेवाएं अविस्मरणीय हैं; 'जामिया मिलिया इस्लामिया' की स्थापना उनकी दूरदर्शिता और प्रयासों का ही एक महान परिणाम है। 1930 में लंदन में हुए प्रथम गोलमेज सम्मेलन के दौरान उनका यह ऐतिहासिक और गूंजता हुआ वाक्य स्वतंत्रता के प्रति उनके अटूट संकल्प को दर्शाता है कि 'मैं एक गुलाम देश में वापस जाने के बजाय एक स्वतंत्र देश में मरना पसंद करूंगा'। कुदरत ने उनकी यह बात पूरी की, लंदन में ही उनका निधन हुआ और उन्हें बैतुल मुकद्दस (यरुशलम) में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

अशफाक उल्ला खान

क्रांति और बलिदान की महान मिसाल

स्वतंत्रता आंदोलन में अशफाक उल्ला खान क्रांति और बलिदान की महान मिसाल हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में जहां शांतिपूर्ण राजनीतिक संघर्ष का रास्ता अपनाया गया, वहीं क्रांतिकारी युवाओं का सशस्त्र प्रतिरोध भी इतिहास का एक सुनहरा अध्याय है। अशफाक उल्ला खान का संबंध इसी क्रांतिकारी समूह से था। वह 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' के सक्रिय सदस्य थे।

9 अगस्त 1925 को हुए प्रसिद्ध 'काकोरी ट्रेन एक्शन' (जिसमें ब्रिटिश खजाने को लूटा गया था) में उनकी मुख्य भूमिका थी। अशफाक उल्ला खान और उनके करीबी दोस्त पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की वैचारिक समानता और दोस्ती हिंदू-मुस्लिम एकता की एक अमर मिसाल है। जब उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई, तो उन्होंने दया की कोई अपील करने के बजाय अत्यंत साहस के साथ मौत को गले लगा लिया। उनकी शहादत ने पूरे भारत के युवाओं में ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ तीव्र आक्रोश और स्वतंत्रता की एक नई भावना फूंक दी।

बेगम हजरत महल 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की साहसी महिला

जब हम 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (गदर) का जिक्र करते हैं, तो बेगम हजरत महल का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अवध रियासत पर अवैध कब्जा कर लिया और उनके पति नवाब वाजिद अली शाह को कलकत्ता निर्वासित कर दिया, तो बेगम हजरत महल ने परिस्थितियों के सामने घुटने नहीं टेके।

उन्होंने अपने नाबालिग बेटे बिरजिस कादर को सिंहासन पर बिठाया और खुद अवध का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व संभाला। उन्होंने विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों को एकजुट किया और लखनऊ की घेराबंदी में अंग्रेजों को कड़ी शिकस्त दी। हालांकि बाद में ब्रिटिश सेना की भारी संख्या के कारण उन्हें पीछे हटना पड़ा, लेकिन उनके स्वाभिमान का आलम यह था कि उन्होंने अंग्रेजों द्वारा दी गई पेंशन और आलीशान सुविधाओं को पूरी तरह से ठुकरा दिया और नेपाल के जंगलों में शरण ली, जहां स्वतंत्रता की लालसा लिए उनका निधन हो गया। इन प्रसिद्ध और राष्ट्रीय स्तर की हस्तियों के अलावा, हजारों ऐसे क्षेत्रीय मुस्लिम नेता और सेनानी हैं जिनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम की नींव में शामिल है।

मौलवी अहमदुल्लाह शाह

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने फैजाबाद और रुहेलखंड के क्षेत्र में अंग्रेजों के खिलाफ जबरदस्त सशस्त्र प्रतिरोध किया। थॉमस सीटन सहित ब्रिटिश अधिकारी उनकी सैन्य क्षमताओं, बहादुरी और संगठनात्मक कौशल के कायल थे। पीर अली खान पटना से ताल्लुक रखने वाले पीर अली पेशे से एक पुस्तक विक्रेता थे, लेकिन उनके अंदर स्वतंत्रता का एक तूफान मचल रहा था। उन्होंने 1857 में पटना में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बेरहमी से सरेआम फांसी दे दी गई।

यूसुफ मेहर अली: बहुत कम लोग इस ऐतिहासिक तथ्य से वाकिफ हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन के दो सबसे शक्तिशाली नारे, 'साइमन गो बैक' (Simon Go Back) और 'भारत छोड़ो' (Quit India), दरअसल यूसुफ मेहर अली ने ही गढ़े थे। वह एक प्रमुख समाजवादी नेता और बॉम्बे के मेयर थे जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण वैचारिक और संगठनात्मक भूमिका निभाई।

इनायतुल्लाह खान मशरिकी (अल्लामा मशरिकी)

उन्होंने खाकसार आंदोलन की नींव रखी और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ जनता को सैन्य और अनुशासन के आधार पर संगठित किया।

वक्कोम अब्दुल खादर:

केरल (मालाबार) में स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित करने और क्षेत्रीय स्तर पर ब्रिटिश उपनिवेशवाद के खिलाफ स्थानीय लोगों को जागरूक करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के मुबारक अवसर पर ऐतिहासिक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 429 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान



अलवर। ईद मिलाद-उन-नबी (हजरत मोहम्मद साहब) के मुबारक अवसर पर मुस्लिम समाज की ओर से ग्राम पंचायत ककराली, मातौर, नांगल पलखड़ी एवं बख्तल की चौकी क्षेत्र के सहयोग से ककराली यूथ ब्रिगेड टीम, समाजसेवी इरफान खान, हारून खान, सहकुल खान, मौलाना मोहम्मद रमजान अशफाकी, मुबीन, बरकत, अब्दुल प्रधान,

डॉ. साकीर, मौलाना इलियास बख्तल, मौलाना रहमतुल्ला मातौर, रूजदार सरपंच, साथियों के संयुक्त प्रयासों से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

मानवता और भाईचारे का संदेश देने वाले इस रक्तदान शिविर में क्षेत्र के युवाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 429

रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर ज़रूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का ककराली यूथ ब्रिगेड टीम द्वारा माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्तदाताओं को हेलमेट वितरित कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से रक्तदान के साथ-साथ लोगों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का भी संदेश दिया गया।

शिविर की सफलता के लिए आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, युवाओं, ग्रामीणों, सहयोगियों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी लोगों का दिल की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

ककराली यूथ ब्रिगेड टीम ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी समाजसेवा, रक्तदान, सड़क सुरक्षा एवं जनहित से जुड़े ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

मिलादुन्नबी के जुलूस में दर्दनाक हादसा, युवक की मौत

उदयपुर। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान पटाखा फोड़ते समय एक दर्दनाक हादसा हो गया, हादसे में 22 वर्षीय युवक मोहम्मद सलमान की मौत हो गई, जानकारी के अनुसार युवक जुलूस के दौरान मिनी स्टील गन में आलू बम नामक पटाखा रखकर उसे फोड़ रहा था, इसी दौरान गन का धमाका होने से पटाखा तेज गति से युवक की गर्दन पर जा लगा, गंभीर चोट लगने के बाद युवक जमीन पर गिर गया।



परिजन और समाज के लोग तत्काल उसे एमबी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, मृतक मोहम्मद सलमान (22) प्रतापनगर थाना क्षेत्र की रेलवे कॉलोनी का रहने वाला बताया गया है, पुलिस को सूचना मिलने पर प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली, एसआई सूरजमल मीणा के अनुसार पटाखे से हुए हादसे में युवक की गर्दन पर गंभीर चोट लगी थी, उसकी श्वास नली और भोजन नली प्रभावित होने से काफी खून बह गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हादसे के बाद परिवार और समाज में शोक का माहौल है।

प्रतिनिधि मंडल मिला

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनावर पटेल साहब से मिला जिसकी क्यादत मध्य प्रदेश मिल्ली काउंसिल के अध्यक्ष जानब मुफ्ती अली कदर सब ने की जिसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव भाई मोहम्मद जहीर भी रहे प्रतिनिधि मंडल में मिली काउंसिल के सेक्रेटरी उमर असलम सोशल वर्कर फईमुद्दीन चौधरी साहब न्यूज मोहल्ला के संपादक फेस मियां साहब इजहार भाई एवं भोपाल के गणमान नागरिक मौजूद रहे।

मिलादुन्नबी पर यतीमों, बुजुर्गों, बीमारों और नाबीना बच्चों में फूट व स्नैक्स तकसीम



इंदौर। अरीब एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने मिलादुन्नबी के मौके पर हजरत मुहम्मद की तालीमात और सीरते मुबारका की रोशनी में यतीमों, ज़ईफों, बुजुर्गों, बीमारों और नाबीना बच्चों के दरमियान जाकर फूट व स्नैक्स तकसीम किए। इस दौरान उनसे बातचीत कर उनकी परेशानियों और दुश्चारियों की जानकारी भी ली।

अरीब सोसाइटी के साथियों ने मध्यप्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ, अरमान ऑफ़नेज़, मदर टेरेसा आश्रम, श्रद्धानंद बाल आश्रम और चाचा नेहरू अस्पताल पहुँचकर खदिमत अंजाम दी।

सोसाइटी के एहबाब ने साथ ही बुजुर्गों का हाल जाना, नाबीना बच्चों से उनकी तालीम के बारे में सवालता किए, यतीम बच्चों का हाल जाना और उनके

बेहतर मुस्तक़बिल के लिए दुआएँ दीं। मिलादुन्नबी सिर्फ़ इज़हारे खुशी और मसरत का मौका नहीं, बल्कि आप की सीरते मुबारका और आपके बताए हुए रास्ते पर चलने का सबक भी है और हाजतमंदों की मदद का दर्स भी।

नबी-ए-करीम की सीरते मुबारका का सबसे अज़ीम पहलू इंसानियत से मोहब्बत, लोगों के साथ नरमी और रहम का बर्ताव मुआशरे के कमज़ोर और ज़रूरतमंद लोगों की खैरख़्वाही है। इसी जज़्बे के तहत अरीब एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने यह खदिमत अंजाम दी। इस मौके पर हाजी फ़िरोज़ मलिक, हाजी शाहरुख़ मंसूरी, यूनुस ख़ान, इमरान ख़ान, वकील ख़ान, अमानुल्लाह सिद्दीकी, ज़फ़र मेव और फ़ातिमा भारती मौजूद रहे।



देश की आज़ादी के पर्व स्वतंत्रता दिवस की आपको बहुत-बहुत मुबारकबाद आज का दिन हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है, जिनके अथक प्रयासों से हमारा भारत स्वतंत्र हुआ !! आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक समानता और देश की एकता-अखंडता की रक्षा का संकल्प लें !! एहमद मेव, मेवाती पंचायत रतलाम।



महुआ मोइत्रा

TMC सांसद

राम रहीम का काफिला तेज़ी से गुजरते देख में तुमसे माफी मांगती हूँ, उमर खालिद। तुम स्कॉलर हो, इसलिए अंदर हो, बलात्कारी होते तो कब के बाहर निकल जाते। निराश मत होना, पहाड़ हिल रहा है। हम देखेंगे।

मेवात के विकास को नई रफ्तार!



नूह। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने नूह में मेवात विकास बोर्ड की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्र में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 30.43 करोड़ रु. की वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी

शिक्षा के लिए 10.06 करोड़ रु. सरकारी स्कूलों में ड्यूल डेस्क 20 स्कूलों में STEM लैब विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं कोचिंग खेल एवं सामाजिक ढांचे को मजबूती पिनगवां स्टेडियम का नवीनीकरण नूह में पब्लिक पार्क

जिला खेल स्टेडियम में स्वीमिंग पूल व 200 मीटर सिंथेटिक ट्रैक कृषि एवं पशुपालन के लिए 1.50 करोड़ रु.

वन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं मृदा संरक्षण के लिए रु.5.42 करोड़ साइबर अपराध पर लगाम के लिए 1.16 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक साइबर फॉरेंसिक लैब का प्रस्ताव

युवाओं के लिए मुफ्त कोचिंग SSC, रेलवे, HSSC, CET और बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी।

नूह शहर की सीवरेज व्यवस्था में सुधार

करीब 2900 मीटर लंबी बाईपास सीवर लाइन बिछाई जाएगी, जिससे शहर की कई कॉलोनीयों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवात क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी स्वीकृत विकास कार्य समयबद्ध तरीके से और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल से आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से नूह की तस्वीर बदल रही है और विकास को नई दिशा मिल रही है।



इंदौर। पिछले दिनों जनाब मेहराब मेव वल्द मरहूम गुलाम हुसैन मेव ने मन्नत गार्डन खजराना में करीब 25 मेव कौम के हाजियों के इस्तकबाल का कार्यक्रम रखा गया साथ ही लजीज खाने का भी इंतजाम किया गया जिसमें करीबन दो सौ परिवारों ने शिरकत कर हाजियों का इस्तकबाल किया।



रतलाम। पिछले दिनों ईद मिलादुन्नबी के मौके पर, रतलाम में निकलने वाले जुलूस के स्वागत के लिये मेव समाज की ओर से एक मंच लगाकर इस्तकबाल किया गया



झालावाड़। पिछले दिनों AIMDT, के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए, पदाधिकारियों के साथ, सईद मेव, (garoth) हबीब मेव, (खैराबाद) हमीद मेव (कोटा), अ. सलाम भाई (उस्मान एंड कंपनी) आदि।



नागदा। पिछले दिनों ईद मिलादुन्नबी के मौके पर नागदा में निकलने वाले जुलूस के स्वागत के लिये मेव समाज की ओर से एक मंच लगाकर इस्तकबाल किया गया



नई दिल्ली। पिछले दिनों नवीन कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के सभागृह में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान शफी मो. शेख, शमशुद्दीन चिश्ती, राहुल निहोरे, उज्ज्वल बोरकर, राकीब खान (एड.) आदि।



इंदौर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विरासत को बचाने के संदेश के साथ पर्यावरण प्रेमी मंच के सदस्यों ने हुकुमचंद मिल परिसर में पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। चित्र में वरिष्ठ श्यामसुंदर यादव, गुरमीत छाबड़ा, डॉ. वाघेला एवं अन्य साथी।



खुशखबर!
मेधावी विद्यार्थियों के लिए
★ बड़ी सौगात ★

1 सितंबर 2026
को लैपटॉप योजना की राशि

₹25,000/-
सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में
ट्रांसफर की जाएगी।

माननीय मुख्यमंत्री
श्री मोहन यादव जी
द्वारा

MP Board कक्षा 12वीं में
प्रथम अवसर में 75% या
उससे अधिक अंक प्राप्त करने
वाले सभी पात्र विद्यार्थी
इस योजना का लाभ प्राप्त करेंगे।

इस योजना में मेव कोचिंग इंस्टीट्यूट (मेव ट्रस्ट) के 13 विद्यार्थी शामिल होंगे।

मेहनत का सम्मान, प्रतिभा को प्रोत्साहन
सभी मेधावी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

यह राशि विद्यार्थियों को
डिजिटल शिक्षा और
उच्चतर भविष्य की ओर
एक महत्वपूर्ण कदम है।

पढ़ेगा मध्य प्रदेश - बढ़ेगा मध्य प्रदेश | मेधावी विद्यार्थी - मध्य प्रदेश का गौरव!

MEWATI PREMIER LEAGUE
SESSION 1
ALL INDORE MEWATI'S PLAYERS

DATE
13 SEPTEMBER
(SUNDAY)

VENUE -
GT TURF INDORE

CONTACT -
+917974324339
+918602999192

बालिका शिक्षा सम्मेलन और सम्मान समारोह

Alwar Mewat Institute of
amied Education and Development amied



आज तिजारा के रुपबास गाँव में किशोर बालिकाओं की शिक्षा और कार्यक्रम में बालिका शिक्षा सम्मेलन और सम्मान समारोह में तकरीबन 150 लड़कियों को शिक्षा से दुबारा जोड़ने पर सम्मानित किया गया।

इन लड़कियों ने 3-5-7-10-15 साल बाद पढ़ाई से ड्रॉपआउट होने के बाद AMIED के किशोर बालिका केन्द्रों से पढ़कर ओपन के माध्यम से 10th और 12th पास की

और तकरीबन 12 लड़कियों ने इन में से कॉलेज में एडमिशन लिए हैं। अभी तक 3000 बालिकाओं को ओपन से जोड़कर शिक्षा से जोड़ा गया है।

जेएनयू के प्रो. गंगा शाहय मीना, Dr भारत मीना, Dr जीवन सिंह मीना, Retd RAS शोक्त अली, CA मुख्तयार अहमद, MPS नासिर खान ने भाग वक्ता के रूप में भाग लिया।

सपना जो AMIED की स्कालरशिप गर्ल्स है और AMIED के हॉस्टल में भी रही है का सम्मान सरकारी नोकरी में चयन होने पर किया।

पुष्पा का LSA में चयन होने पर सम्मानित किया।

मेवात शिक्षा पंचायत के अय्यूब खान, फूल खान, इद्रीश सहित लोकल लोगों के सहयोग से यह प्रोग्राम सफल हुआ।

सरकारी नौकरी लगने पर सम्मानित करते हुए।

मालवा का तालीमी सफ़र : इल्म से समाजी तरक्की तक शैक्षणिक भ्रमण



इंदौर। पिछले दिनों मेव एजुकेशनल वेलफेयर अवेयरनेस ट्रस्ट, इंदौर के तमाम ट्रस्टीगण शमशुद्दीन चिश्ती, एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान, अब्दुल हफीज़ बनारसी, मुहम्मद आसिफ़ मेव और मुहम्मद अय्यूब खान मेव इंदौर से रतलाम, आलोट और मंदसौर के तालीमी और समाजी सफ़र के लिए रवाना हुए।

हमारा यह सफ़र सिर्फ़ एक सफ़र नहीं था, बल्कि इल्म, इंसानियत, समाजी रिश्तों और एक-दूसरे की हौसला-अफ़ज़ाई का एक खूबसूरत कारवाँ था।

रास्ते में बेटमा गाँव के करीब एक होटल पर हमारे कारवाँ ने गरमा-गरम पोहा, जलेबी और कम शक्कर वाली चाय का लुत्फ़ उठाया।

सुबह की ताज़गी और साथियों की मोहब्बत के साथ हमारा कारवाँ रतलाम की जानिब आगे बढ़ा।

रतलाम पहुँचकर हमने मेव समाज के ज़िला सदर फ़िरोज़ भाई के वालिद-ए-मुहतरम से मुलाकात की, क्योंकि फ़िरोज़ भाई उस वक़्त शहर से बाहर थे।

उनसे मुलाकात और ख़ैरियत पूछने के बाद हमारा कारवाँ आलोट तहसील की जानिब रवाना हुआ।

आलोट पहुँचकर सबसे पहले हमारी मुलाकात एडवोकेट लुकमान खान मेव साहब से हुई।

उनकी जूनियर सुश्री नसरीन खान मेव ने एलएलबी की डिग्री बहुत अच्छे नंबरों से हासिल की है। साथ ही उन्हें मेव समाज, आलोट की पहली खातून वकील होने का भी फ़ख़्र हासिल हुआ है।

एक बेटी का मेहनत और काबिलियत के साथ वकालत के मैदान में क़दम रखना हमारे लिए खुशी और फ़ख़्र की बात थी।

उनकी हौसला-अफ़ज़ाई के लिए हमने फूलों की माला पहनाकर उनका इस्तक़बाल किया और उनकी कामयाबी पर उन्हें मुबारकबाद पेश की।

साथ ही हमने उनकी शुरुआती वकालत, उनके तालीमी सफ़र और मुस्तक़बिल के मंसूबों के बारे में भी बातचीत की।

हमारा मक़सद सिर्फ़ मुलाकात करना नहीं था, बल्कि नौजवानों और खास तौर पर तालीम हासिल करने वाली बेटियों की हौसला-अफ़ज़ाई करना भी था।

एडवोकेट लुकमान खान मेव साहब ने अपने घर पर हमारे लिए दोपहर के खाने का इंतज़ाम किया।

हम तक़रीबन डेढ़ बजे उनके निवास पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने बड़ी मोहब्बत और खुलूस के साथ हमारी मेहमाननवाज़ी की।

खाने में मालवीय बाटी, दाल, मिठाई, सलाद, चटनी और मुख़्तलिफ़ लज़ीज़ व्यंजन पेश किए गए।

उनकी मोहब्बत और मेहमाननवाज़ी ने हमारे इस सफ़र को और भी यादगार बना दिया।

इसके बाद आलोट में रहने वाले हमारे एक और ट्रस्टी मुहम्मद मरग़ूब खान मेव, मुन्ना भाई से भी मुलाकात हुई।

मुन्ना भाई हमें अपने खेत पर लेकर गए।

उन्होंने हमें अपना खेत दिखाया और खेती-बाड़ी से मुताल्लिक़ मुख़्तलिफ़ बातें बताईं।

गाँव, खेत, ज़मीन और मेहनत से जुड़े इस माहौल ने हमारे सफ़र में एक अलग ही खूबसूरती पैदा कर दी।

इसके बाद मुन्ना भाई हमें अपने घर ले गए, जहाँ उन्होंने हमारे लिए पहले से नाश्ते का इंतज़ाम कर रखा था।

हमने उनसे अर्ज़ किया कि दोपहर में हम बहुत खाना खा चुके हैं, इसलिए अब ज़्यादा कुछ खाने की गुंजाइश नहीं है।

लेकिन उनकी मोहब्बत और खुलूस के सामने हमें उनकी पेशकश को कुबूल करना पड़ा।

हमने थोड़ा-बहुत नाश्ता किया और उनके साथ चाय का लुत्फ़ उठाया।

उनकी यह मेहमाननवाज़ी और अपनापन हमारे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

तक़रीबन तीन बजे हमारा कारवाँ आलोट से मंदसौर की जानिब रवाना हुआ।

लगभग दो घंटे के सफ़र के बाद शाम तक़रीबन पाँच बजे हम मंदसौर पहुँच गए।

मंदसौर में सबसे पहले हमारी मुलाकात मेवाती समाज की एक खास और काबिल शख्सियत जनाब नेहरू खान साहब से हुई।

नेहरू खान साहब - ख. हुंहीगु 'तिर्मि' के प्रोपराइटर हैं और मंदसौर में अपनी मेहनत, कामयाबी और इंसानियत की ख़दमत की वजह से अपनी एक अलग पहचान रखते हैं।

मेवाती समाज में उनकी ख़दमात को देखते हुए उन्हें मंदसौर का एपीजे अब्दुल कलाम कहा जाता है।

वे हाल ही में हज के मुबारक सफ़र से वापस लौटे थे।

हमने फूलों की मालाओं के साथ उनका पुरजोश इस्तक़बाल किया और उन्हें हज की मुबारकबाद पेश की।

इसके बाद हमने उनके हज के मुबारक सफ़र के तज़ुर्बात सुने और उनसे यह जानने की कोशिश की कि उन्होंने इस मुबारक सफ़र से क्या सीखा और वहाँ के कौन-कौन से यादगार लम्हात उनके दिल के करीब हैं।

इसके साथ-साथ हमने उनके समाजी कामों और इंसानियत की ख़दमत के बारे में भी तफ़्सील से बातचीत की।

नेहरू खान साहब जिस तरह मेहनत कर रहे हैं, इंसानियत की ख़दमत कर रहे हैं और अपने कारोबार के साथ-साथ समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, वह हम सभी के लिए काबिल-ए-तारीफ़ और काबिल-ए-तक़लीद है।

ऐसे लोगों की कामयाबी सिर्फ़ उनकी अपनी कामयाबी नहीं होती, बल्कि पूरी बिरादरी और नौजवान नस्ल के लिए एक मिसाल होती है।

इसके बाद शाम तक़रीबन सात बजे हमारा कारवाँ मंदसौर के मेव समाज के प्रदेश सदर जनाब असगर खान मेव साहब से मुलाकात के लिए उनके मशहूर होटल सवेरा ढाबा पहुँचा।

होटल सवेरा ढाबा मंदसौर का एक मशहूर ठिकाना है और असगर खान मेव साहब की मेहमाननवाज़ी अपनी एक अलग पहचान रखती है।

उनसे मुलाकात के दौरान हमने मेव समाज की तरक्की, नौजवानों की तालीम, समाजी बेहतरी और आने वाले दिनों में किए जाने वाले कामों के बारे में तफ़्सील से गुफ़्तगू की।

हमने इस बात पर भी ग़ौर किया कि किस तरह हमारी नई नस्ल को तालीम के मैदान में आगे लाया जाए और किस तरह समाज के ज़रूरतमंद और काबिल बच्चों की मदद की जाए।

बातचीत के दौरान होटल सवेरा ढाबा की मशहूर चाय पेश की गई।

हमने वहाँ बैठकर चाय का लुत्फ़ उठाया और समाजी मसाइल तथा मुस्तक़बिल की मंसूबाबंदी पर गुफ़्तगू जारी रही।

बातचीत में वक़्त का पता ही नहीं चला और देखते ही देखते रात के तक़रीबन साढ़े नौ बज गए।

इसके बाद हमने उसी होटल सवेरा ढाबा पर रात का खाना खाने का फ़ैसला किया।

जब भी हमारा सफ़र मंदसौर, राजस्थान या इस जानिब के किसी दूसरे इलाके की तरफ़ होता है, हमारी कोशिश रहती है कि रात का खाना होटल सवेरा ढाबा पर ही खाया जाए।

इस बार भी हमने वहाँ तंदूरी रोटी, दाल और होटल का मशहूर

चिली पनीर खाया।

खाने के बाद एक बार फिर असगर खान मेव साहब के साथ चाय का लुत्फ़ उठाया और कुछ देर तक बातचीत जारी रही।

इस मुलाकात में सबसे खूबसूरत बात यह थी कि हमारी गुफ़्तगू का मरकज़ सिर्फ़ खाना और मुलाकात नहीं था, बल्कि समाज की तरक्की और आने वाली नस्लों के बेहतर मुस्तक़बिल की फ़िक्र थी।

तक़रीबन साढ़े दस बजे हमने मंदसौर से वापस इंदौर के लिए अपना सफ़र शुरू किया।

रास्ते भर दिनभर की मुलाकातों, तालीमी कामों, समाजी रिश्तों और यादगार लम्हात पर बातचीत होती रही।

रात तक़रीबन ढाई बजे हम सभी इंदौर वापस पहुँच गए।

यकीनन यह सफ़र हमारे लिए सिर्फ़ एक शैक्षणिक भ्रमण नहीं था।

यह सफ़र था- इल्म का, इंसानियत का, मोहब्बत का, रिश्तों का और हौसला-अफ़ज़ाई का।

इस सफ़र में हमने तालीम हासिल करने वाली एक होनहार बेटी की हौसला-अफ़ज़ाई की।

समाज की मुख़्तलिफ़ शख्सियतों से मुलाकात की।

मेहनत करने वाले लोगों के तज़ुर्बात सुने।

किसानों और ज़मीन से जुड़े लोगों के हालात को करीब से देखा।

समाज की तरक्की और नौजवानों की तालीम के बारे में गुफ़्तगू की।

और सबसे बढ़कर, आपसी मोहब्बत और भाईचारे के रिश्तों को और मज़बूत किया।

मेव एजुकेशनल वेलफेयर अवेयरनेस ट्रस्ट का हर शैक्षणिक सफ़र इसी सोच के साथ होता है कि जहाँ भी जाएँ, तालीम को अहमियत दें, नौजवानों की हौसला-अफ़ज़ाई करें, काबिल और ज़रूरतमंद बच्चों का साथ दें और समाज की बेहतरी के लिए मिल-जुलकर काम करने की कोशिश करें।

हमारा यकीन है कि किसी भी समाज की असली तरक्की सिर्फ़ इमारतों और कारोबार से नहीं होती।

समाज उस वक़्त तरक्की करता है जब उसकी नई नस्ल तालीमयाप्ता हो, उसके नौजवान काबिल हों, उसकी बेटियाँ आगे बढ़ें और उसके लोग एक-दूसरे के काम आएँ।

इसी सोच के साथ हमारा यह कारवाँ आगे बढ़ रहा है।

हमारा पैग़ाम साफ़ है- इल्म हासिल कीजिए, इंसानियत की ख़दमत कीजिए, एक-दूसरे का हौसला बढ़ाइए और समाज को तरक्की की राह पर आगे ले जाइए।

इल्म, इंसानियत, ख़दमत, इतेहाद यही हमारी सोच है। यही हमारे सफ़र का मक़सद है और यही हमारे कारवाँ की असली पहचान है।





जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन

नया मध्यप्रदेश

समानता का विश्वास, समावेशी विकास



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



“स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।”

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

प्रदेशवासियों को

80वें स्वाधीनता

दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं



D18014/26

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@iansampark.madhyapradesh



@Cmmadhypradesh
@iansamparkMP



jansamparkMP

D18014/26

क्या है? क्या जलवायु के हानि जारी



मस्जिद के दौरे यह प्रमाणित करने के लिए काफी है कि देश के हर धर्म, हर समाज, हर वर्ग और समुदाय का व्यक्ति किस तरह से अमन-शांति-प्रेम और भाईचारे का इच्छुक है और इस दिशा में हो रहे हर प्रकार के प्रयासों को प्राथमिकता देता है। यही नहीं इसी तरह के संकेत सीमा पार से भी आ रहे हैं। सीमा पर शांति रहे, दोनों देशों के बीच जो समस्याएँ हैं वो बातचीत से हल हों, सीमा के दोनों ओर लोगों की आवाजाही आसान हो, आपस में व्यापारिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और खेल संबंध बहाल हों, ऐसी कामना देश का हर अमन पसंद नागरिक करता है। आतंकवाद का नाश हो, गलतफहमियाँ दूर हों, आपसी विश्वास बहाल हो तथा राजनैतिक समझदारी मजबूत हो, सब से यही दुआ है।

-सिदीक अहमद मेव

इंतकाल

नागदा। मेव समाज के वरिष्ठ अब्दुल हमीद नेताजी का पिछले दिनों इंतकाल हो गया। जिन्हें स्थानीय कब्रस्तान में सुपुर्देखाक किया गया।

इंदौर। मेव समाज के अशफाक, परवेज, तारिक मेव की वालदा फेमिदा का पिछले दिनों इंतकाल हो गया। जिन्हें लुनियापुरा कब्रस्तान में सुपुर्देखाक किया गया।

इंदौर। मेव समाज के मरगुब वकील सा. की बीवी का पिछले दिनों इंतकाल हो गया। जिन्हें लुनियापुरा कब्रस्तान में सुपुर्देखाक किया गया।

आगाज-ए-दोस्ती यात्रा-2026

नूह। आगाज-ए-दोस्ती यात्रा का शुभारंभ, नेक तमन्नाओं और खुलूस-ए-दिल के साथ, सर्वश्री कुलदीप नय्यर, निर्मला देश पाण्डे, श्रीमती मोहिनी गिरि, सईदा हमीद द्वारा सन् 1985 को हुआ था। यात्रा का मुख्य उद्देश्य अपने पड़ोसियों विशेषकर पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर बनाना, सीमा पर तनाव कम करना तथा मिलजुल कर मैत्रीभाव से रहना था। इसलिए नारे दिये गयेये;

**युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए,
गोली नहीं बोली चाहिए
जंग नहीं अमन चाहिए,
विवाद नहीं संवाद चाहिए**

इन्हीं नारों के साथ यह यात्रा हर साल राजघाट से वाघा/अटारी सीमा तक जाती है। रास्ते में अलग-अलग पड़ाओं (15 से 17) प्रेम-शांति और सौहार्द का संदेश देते हुए जाती है और अटारी सीमा पर कैंडल मार्च कर पड़ोसियों तक शांति का संदेश पहुँचाती है।

हर साल की तरह इस साल भी यह यात्रा नेक तमन्नाओं के साथ अमन-शांति और भाईचारे का संदेश लेकर सीमा तक गई और सफलता पूर्वक

मोगा में सम्मूह हुई। इस साल की यात्रा में दो बदलाव हुए। एक तो इस साल की यात्रा तीन के बजाय चार दिन की कर दी गई। दूसरे इस साल की यात्रा अटारी व हुसैनीवाला, दोनों सीमाओं पर गई तथा यात्रियों ने बीटिंग रीट्रीट भी देखी।

इस साल की आगाज-ए-दोस्ती यात्रा-2026, पूरे उत्साह और जोश के साथ, 12 अगस्त, 2026 को गाँधी संग्रहालय, राजघाट से इस संकल्प के साथ हुई कि हमारे बुद्धजीवि बुजुर्गों द्वारा शुरू की गई इस यात्रा को उनकी विरासत समझ कर जारी रखेंगे और अमन-शांति तथा भाईचारे के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे एवं सत्य-अहिंसा-प्रेम-सौहार्द-एवं सहअस्तित्व के मार्ग से पीछे नहीं हटेंगे। सभी तरह की नफरतों को छोड़ेंगे और समाज को भाईचारे के बंधन से जोड़ेंगे। गाँधी संग्रहालय के अध्यक्ष श्री संजय कुमार और प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती कोमल ने जैसे ही झण्डी दिखा कर यात्रा को खाना किया, आसमान इंकलाब जिंदाबाद, जोड़ो-जोड़ो भारत जोड़ो, नफरत छोड़ो भारत जोड़ो, युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए, गोली नहीं

बोली चाहिए नारों से आसमान गूँज उठा।

हरिजन सेवक संघ, मूरथल, गन्नौर, समालखा, पानीपत, करनाल, घरौदा, अंबाला आदि 13 स्थानों पर सैंकड़ों लोगों ने यात्रा का स्वागत किया तथा यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। यात्रा का स्थान-स्थान पर इस तरह गर्मजोशी के साथ स्वागत दिखाता कि किस तरह देश का आम आदमी सत्य-अहिंसा-प्रेम-शांति-सौहार्द और आपसी भाईचारे का इच्छुक है और इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सर्थक है। श्री राममोहन राय (पानीपत के नेतृत्व में यात्रा में शामिल 13 राज्यों

के 49 (हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई) यात्री, भारत की विभिन्नताओं में एकता की वो मिसाल जो भारत एक संगठित, शक्तिशाली एवं समग्र राष्ट्र बनाता है।

कुरुक्षेत्र में यात्रियों का पहला रात्रि विश्राम था, जहाँ जाट धर्मशाला में, हरियाणा सृजन के बुद्धिजीवि साथियों द्वारा, पानीपत में बार एशोसिएशन द्वारा, अंबाला में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा तथा खटकड़ कला में भगतसिं। के वारिसों द्वारा और अमृतसर में गुरु तेगबहादुर निवास में रात्रि विश्राम, स्वर्ण मंदिर, दुर्गयाना मंदिर, जान मुहम्मद जामा

अपील

जैसा कि आप जानते हैं पिछले 33 सालों से न्यू मेव टाइम्स अखबार कौम की आवाज बन पूरे मुल्क के मेवों को जोड़ने एवं उनके सुख-दुख की खबरें निःशुल्क प्रकाशित करता आ रहा है। अतः अपनी अभी तक की सहयोग राशि एवं विज्ञापन शुल्क निम्नलिखित बैंक के खाते में जमा कराकर कौम की आवाज को मजबूती दें।

बैंक-अपेक्स बैंक, इंदौर (MPSCB) A/c No. 187001557250
IFSC: CBI No. MPABAA MICR 45228102, Branch Code-9

ADMISSIONS OPEN FOR NEET

X, XI, XII & DROPPER BATCHES



DR. ANURAG GUPTA
Director (Academics)
Invent of Biology

**मध्यप्रदेश में NEET के लिये
सबसे विश्वसनीय संस्थान !**



DR. POOJA SHARMA
Director (Academics)
Invent of Chemistry

7000 + MBBS Selections

MEDISQUAD CLASSES PVT. LTD.

Premium Institute for NEET, XI & XII

Contact: 0731-4888313
9425032443 | 9827338022

Victory Chambers, 4-B, Radhika Colony,
Near Ganga Bhawan Square, Indore

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक मो. हनीफ चिश्ती मेव के लिए स्वास्तिक प्रिंटिंग प्रेस द्वारा राजा ऑफसेट प्रिन्टर्स, नेहरू नगर, इन्दौर से मुद्रित होकर, २५, मेवाती मोहल्ला, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9425032443, प्रसार प्रमुख- लाखनसिंह यादव (किसी भी वाद-विवाद में न्याय का क्षेत्र इन्दौर रहेगा।) Email-newmeotimes@gmail.com (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)